अध्याय–18

ठोस कचरा प्रबंधन

अंजलि और उत्कर्ष अपने दोस्तों के साथ पार्क में पिकनिक मनाने गए। साथ में घर से ले गए अच्छी–अच्छी खानें की चीजें और तरह–तरह के खेलों का सामान। उन्हें पिकनिक में खूब मज़ा आया। खेल–खेल में कब शाम हो गई पता ही नहीं चला। जब घर लौटने का समय हुआ तब सामान बटोरने लगे।

तभी अंजलि की नजर उन सब सामग्री पर पड़ी जो उन्होंने वहाँ फैलायी थी। कहीं पॉलीथीन बैग, तो कहीं टॉफी के कागज, कहीं संतरे व अन्य फलों के छिलके तो कहीं सब्जियों के छिलके। यह सब देखकर अंजलि बोली, – ''हमें ऐसे गंदगी फैलाकर नहीं जाना चाहिए।'' उत्कर्ष ने भी कहा, ''हाँ, चलो तुम कूड़ादान ढूँढ़ों, हम सब कूड़ा जमा करते हैं।'' सब बच्चे कूड़ा जमा करने लगे। इतने में अजंलि की आवाज आई, ''अरे! यह क्या! यहाँ तो दो कूड़ेदान हैं, एक हरा और एक नीला। कूड़ा किसमें डालें?''

WEBCOPY, NOT TO BE PUBLISHED
BSTBPC

(क) हरे रंग का कूड़ादान जिसमें फल सब्जी जैसी सड़ने वाली चीजों के अनुपयोगी भाग को जमा किया जाता है।

(ख) नीले रंग का कूड़ादान जिसमें बेकार प्लास्टिक तथा अन्य नहीं सड़ने वाली बेकार चीजों को फेंका जाता है।

चित्र18.1

इतने में एक बुजुर्ग बच्चों के पास आए। वे पार्क में टहल रहे थे और उन्होंने बच्चों की बातचीत सुन ली थी। उन्होंने मुस्कुरा कर बताया कि उन्हें कूड़े को अलग–अलग करके कूड़ेदानों में डालना चाहिए। हरा कूड़ेदान जिस पर ''सड़ने वाले कूड़ा'' लिखा है, उस कूड़े के लिए है; जिसका विघटन प्राकृतिक प्रक्रियाओं द्वारा हो सकता है। ऐसे कूड़े के कुछ उदाहरण हैं– फलों एवं सब्जियों

के छिलके, कागज, गत्ता और लकड़ी की छीलन। नीला कूड़ेदान जिस पर ''नहीं सड़ने वाला'' लिखा है, उसमें वे कूड़ा डालते हैं जिसका प्राकृतिक तरीके से अपघटन नहीं हो सकता और अगर होता भी है तो बहुत ही धीरे–धीरे। जैसे–प्लास्टिक, धातु, काँच, आदि। अंजलि, उत्कर्ष एवं अन्य बच्चों ने बुजुर्ग की मदद से कूड़ेदानों में अलग–अलग कूड़ा डाला और अपने–अपने घर चल दिए।

क्या आपने कभी सोचा है कि प्रतिदिन हमारे घरों से निकलने वाला कूड़ा करकट (कचरा) कहाँ जाता है?घर से बाहर फेंके जाने के बाद उसका क्या होता है?यदि यह लगातार कई दिनों तक जमा होता रहे तो क्या होगा?यह हमें कैसे हानि पहुँचा सकता है?

आइए हम सभी मिलकर भिन्न–भिन्न स्थानों से निकलने वाले बेकार सामग्री की सूची तालिका–18.1 में बनाएँ–

तालिका–18.1

स्थान	निकलने वाले बेकार सामग्री (कचरा)
घर	
अस्पताल	
सब्जी बाजार	
स्कूल	
होटल	
ऑफिस	
कारखाना	जहरीली गैसें, धुआँ, गंदा पानी

प्रायः हम देखते हैं कि इस बेकार सामग्री जैसे रसोई का कूड़ा, टूटे खिलौने, पुराने कपड़े, जूते, चप्पल, पॉलिथीन आदि को लोग जहाँ–तहाँ फेंक देते हैं। इससे वातावरण दूषित हो जाता है। इस बेकार सामग्री से निम्नलिखित दुष्प्रभाव हो सकते हैं।

1. वायु, जल एवं भूमि का प्रदूषण।
2. स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव।
3. वातावरण की सुन्दरता नष्ट होना।

आजकल पूरे देश के अधिकांश शहर और अब गाँव भी कूड़े के निपटान की समस्या का सामना कर रहे हैं। इसलिए यह जरूरी है कि हम कचरे को निपटाने के लिए ऐसे तरीके सोचें जो पर्यावरण को नुकसान न पहुँचाए एवं गाँव/शहर को भी साफ–सुथरा रख सके।

कचरों में फेंकी जाने वाली चीजों में कुछ ऐसे पदार्थ होते हैं जिनका विघटन आसानी से हो जाता है, इन्हें **"जैव विघटनीय पदार्थ"** कहते हैं। वैसे पदार्थ जिनका विघटन प्राकृतिक तरीके से नहीं हो सकता या बहुत ही लम्बे समय में होता है, इन्हें **"जैव अविघटनीय पदार्थ"** कहते हैं।

आइए हम एक प्रयोग करके देखें कि कूड़े में पायी जाने वाली अलग–अलग वस्तुओं के विघटन में कितना समय लगता है।

क्रियाकलाप–1

आवश्यक सामग्री :

रसोईघर का कचरा जैसे फल एवं सब्जी के छिलके, अंडे का खोल, बचा हुआ भोजन, चाय की पत्तियाँ, समाचार–पत्र, कागज एवं कागज की थैलियाँ (ठोंगा), सूखी पत्तियाँ, कपड़ों के टुकड़े, पॉलिथीन की थैलियाँ, टूटे काँच, एल्युमीनियम के रैपर्स, कीलें, पुराने चप्पल–जूते, एवं टूटे खिलौने, बड़े गमले, फावड़ा।

चित्र18.2 कचरे के ढेर

स्कूल में खेल के मैदान में कोई ऐसी जगह ढूँढ़िए जहाँ बच्चे न खेलते हों। इस जगह पर चार अलग–अलग गड्ढे फावड़े से खोदिए। गड्ढ़े करीब 1 फुट गहरे, 1 फुट लम्बे और 1 फुट चौड़े होने चाहिए। अब इन गड्ढों में अलग–अलग कचरे डालें। जैसे – पहले गड्ढे में फल, सब्जी के छिल्के, बचा हुआ भोजन, पत्तियाँ इत्यादि। दूसरे गड्ढे में, काँच, लोहे की कील प्लास्टिक की थैलियाँ व ऐसी ही अन्य बेकार चीज़ें। तीसरे गड्ढे में कागज, कागज की थैलियाँ, समाचार पत्र कपड़ों के टुकड़े, लकड़ी के टुकड़े इत्यादि। तथा चौथे गड्ढे में टूटे खिलौने, रबड़ व चमड़े के पुराने चप्पले–जूते आदि डालिए। अब सभी गड्ढों को मिट्टी से भर दीजिए और उनके ऊपर थोड़ा पानी छिड़क दीजिए। गड्ढों पर पहचान चिह्न लगा दीजिए।

एक सप्ताह के बाद कचरे के ऊपर से मिट्टी हटाकर, कचरे में हुए परिवर्तन को देखिए। कचरे का काला हो जाना तथा उसमें से दुर्गंध न आना यह दर्शाता है कि कचरा पूर्ण रूप से गल गया है। इसे पुनः मिट्टी से ढँक दीजिए। इसी प्रकार एक सप्ताह के अंतर पर इनका अवलोकन करके नोट कीजिए और बताइए कि कौन से कचरे–

1. पूर्णतः गलने वाले हैं?
2. में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है?
3. काफी हद तक गलने वाले हैं?
4. बहुत ही आंशिक रूप से गलने वाले हैं?

अपने अवलोकन के आधार पर तालिका 18.2 को भरिए एवं अपनी नोटबुक में लिखिए। जो कचरा गल नहीं पाया है उसे जलाना और फेंकना नहीं चाहिए बल्कि उसमें से कुछ उपयोगी सामान को कबाड़ीखानों में भेज देना चाहिए।

तालिका–18.2 गड्ढों में जमा कचरों में क्या परिवर्तन आए?

गड्ढा संख्या	जमा हुए कचरे के नाम	1 सप्ताह बाद	2 सप्ताह बाद	3 सप्ताह बाद	4 सप्ताह बाद
1					
2					
3					
4					

ऊपर के प्रयोग में यदि कचरा पूर्णतः गल गया हो, तो उसे उस मिट्टी में मिला दीजिए, जिसमें आप अपनी पंसद के पौधे उगाते हों अब देखिए पौधे में क्या परिवर्तन होते हैं?पौधों में इस प्रकार के परिवर्तन, मिट्टी में मिलाए गए गले हुए कचरों द्वारा आवश्यक पोषक तत्वों की आपूर्ति के कारण होता है। पूर्णतः गलने वाला कचरा, परिवर्तित होकर खाद बनता है इसे कम्पोस्ट खाद कहते हैं तथा इस प्रक्रिया को कम्पोस्टिंग कहते हैं।

अब उपर्युक्त तालिका 18.2 का अवलोकन कर तालिका–18.3 में अंकित करें।

तालिका–18.3

जिन्हें गलाया जा सकता है	जिन्हें गलाया नहीं जा सकता है
1	1
2	2
3	3
4	4
5	5
6	6
7	7
8	8

क्रियाकलाप–2

''प्लास्टिक हर तरफ प्लास्टिक ही प्लास्टिक'' :

आप बाज़ार से बहुत कुछ खरीद कर लाते हैं। अपने आस–पास की वस्तुओं को देखिए। इनमें से प्लास्टिक की बनी हुई वस्तुओं को तालिका–18.4 में लिखिए एवं इनके उपयोग भी लिखिए।

तालिका–18.4 प्लास्टिक की बनी वस्तुओं की सूची एवं उपयोग

क्रम सं.	प्लास्टिक की बनी हुई वस्तुओं के नाम	उपयोग
1.		
2.		
3.		
4.		
5.		
6.		

इस प्रकार हम देखते हैं कि प्लास्टिक हमारे जीवन में घुल–मिल गया है। प्लास्टिक से हमें बहुत से फायदे तो हैं पर इसकी वजह से हमें परेशानी भी झेलनी पड़ रही है। क्या प्लास्टिक की वस्तु का उपयोग हम लम्बे समय तक कर पाते हैं?फेंकने के बाद प्लास्टिक के कचरे का क्या होता है?प्लास्टिक की कई चीजों की उपयोगिता बहुत कम समय के लिए ही होती है और वह जल्द ही कूड़े में फेंक दी जाती है। ऐसी दस प्लास्टिक की वस्तुओं के नाम लिखें जो एक हफ्ते से कम में ही अनुपयोगी हो जाती हैं?

आप बाजार से सामान खरीदकर किस चीज़ में लाते हैं?आपने देखा होगा कि लोग प्रायः अपने घर के कचरे को पॉलिथीन की थैलियों में भरकर बाहर फेंक देते हैं। गली मोहल्ले में घूमने वाले पशु भोजन की खोज में जब इन थैलियों को देखते हैं तो प्रायः कचरे के साथ पॉलिथीन की थैली को भी निगल जाते हैं। कभी–कभी तो इसके कारण उनकी मृत्यु भी हो जाती है।

सड़कों तथा अन्य स्थानों पर असावधानीपूर्वक फेंकी गई ये पॉलिथीन की थैलियाँ अक्सर नालों अथवा सीवर में पहुँच जाती है। फलस्वरूप नाले अवरुद्ध हो जाते हैं और गंदा जल सड़कों पर फैलने लगता है। भारी वर्षा के समय नाले के जाम होने से बाढ़ जैसी स्थिति उत्पन्न हो जाती है। जमीन या मिट्टी में भी पॉलिथीन के जमा होने से मिट्टी की उर्वरा शक्ति कम हो जाती है क्योंकि इस कारण मिट्टी से पानी का सही निकास नहीं हो पाता है।

पॉलिथीन से होने वाली इन हानियों को ध्यान में रखते हुए सरकार ने इसके उपयोग पर प्रतिबन्ध लगाया है। समाज में इसका उपयोग कम–से–कम किया जाए इसके लिए हम सभी का सहयोग आवश्यक है।

पॉलिथीन व प्लास्टिक के कम–से–कम उपयोग के लिए एक अभियान चलाने की आवश्यकता है।

आइए देखें कि प्लास्टिक व पॉलिथीन का उपयोग कम करने के लिए हम क्या कर सकते हैं।

1. बाजार जाते समय घर से कपड़े अथवा जूट की थैली लेकर जाएँ ।
2. दुकानदार से कोई चीज प्लास्टिक की थैली में न लें। उनको कहें कि वे कागज की थैलियों (ठोंगा) का इस्तेमाल करें।
3. खाद्य पदार्थों को रखने के लिए प्लास्टिक थैलियों का उपयोग न करें।
4. ऐसी चीजों का उपयोग न करें जो एक बार इस्तेमाल करके फेंक दी जाती हैं। जैसे– प्लास्टिक के गिलास, बोतल, कप, प्लेट, चम्मच आदि।
5. उपयोग के पश्चात् प्लास्टिक की चीजों को इधर–उधर न फेंके।

6. प्लास्टिक को कभी भी जलाएँ नहीं क्योंकि जलाने पर इनसे खतरनाक गैसें निकलती हैं जो हमारे स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हैं।

7. प्लास्टिक की थैलियों को सड़क और नालियों में न फेंकें।

8. प्लास्टिक का कम–से–कम उपयोग करने के लिए लोगों को जागरूक करें।

9. प्लास्टिक की बेकार चीजों को कबाड़ी वालों को बेच देना चाहिए ताकि प्लास्टिक का पुनःचक्रण हो सके।

कचरा प्रबंधन के उपाय :

हम यह जानते हैं कि आजकल विभिन्न प्रकार के कचरे से काफी परेशानियाँ खड़ी हो रही हैं। यदि कचरे का सही निपटान करने के प्रति सर्तकता नहीं बढ़ती तो आने वाले समय में यह समस्या और भी गंभीर हो जाएगी। इसलिए इन कचरे को जिसमें प्लास्टिक भी शामिल है, के निपटारे के लिए निम्न ''चार आर'' सुझाए गए हैं–

''चार "R" को हम अपनायेंगे

कचरे से छुटकारा पायेंगे।''

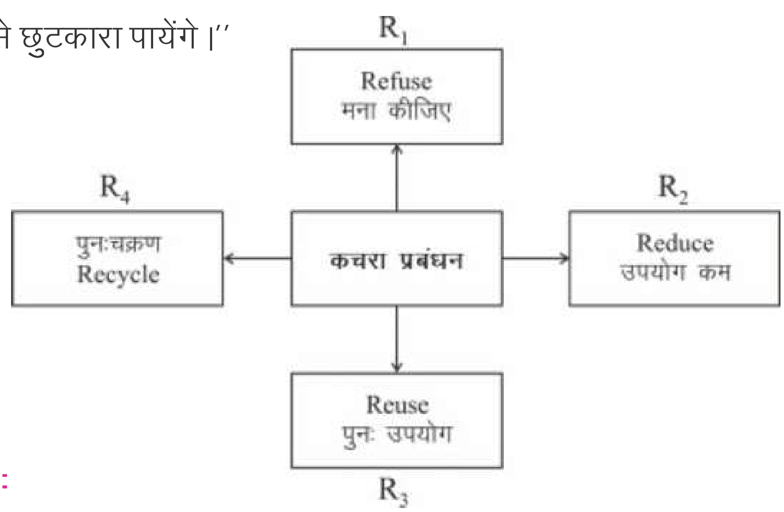

4 R को जानें :

1. **R_1 मना कीजिए (Refuse) :** प्लास्टिक की बनी थैलियों या सामान का अधिक उपयोग करना हमारे लिए हानिकारक है। अतः प्लास्टिक का उपयोग करने के लिए सभी को मना Refuse करना चाहिए तथा ऐसी जागरूकता हेतु अभियान चलाना चाहिए।

2. **R_2 उपयोग कम करें (Reduce) :** हम बहुत–सी ऐसी चीजें भी इस्तेमाल करते हैं जिसके बिना भी काम चलाया जा सकता है। यानी जो बहुत जरूरी नहीं होती हैं। जैसे–जैसे हम

अपनी जरूरतें बढ़ाते हैं, वैसे–वैसे कचरा भी बढ़ता चला जाता है। जैसे– दुकान में कमीज प्लास्टिक में ही रखी होती है, खरीद पर दुकानदार उसे एक अलग थैली में देता है। जब हम पहनने के लिए कमीज निकाल लेते हैं तब दोनों थैलियों को फेंक देते हैं। हमें ध्यान भी नहीं रहता कि कमीज के फट जाने के कई साल बाद तक भी ये दोनों थैलियाँ कचरे का हिस्सा बनी रहेंगी।

क्रियाकलाप–3

आइए ऐसी दस चीजों की सूची तालिका 18.5 में बनाएँ जो हम इस्तेमाल करते हैं, पर जिनके उपयोग को कम किया जा सकता है :

तालिका–18.5

क्रम सं.	ऐसी वस्तुएँ जिनका उपयोग कम हो सकता है
1.	प्लास्टिक गिलास
2.	
3.	
4.	
5.	
6.	
7.	
8.	
9.	
10.	

हरेक के लिए भी बताएँ कि आपने इन्हें किस आधार पर चुना।

उपयोग कम करने के लिए हम और क्या कर सकते हैं–

1. चीजें खरीदते समय हम सोचें कि जो चीज हम खरीद रहे हैं, उसके कारण पर्यावरण पर कैसा प्रभाव पड़ सकता है। अगर संभव हो तो ऐसी चीजें चुनें जो पर्यावरण के लिए कम हानिकारक हैं।

2. मान लीजिए दो अलग–अलग पैकिंग में एक ही चीज है और उसकी मात्रा भी बराबर है। ऐसे में हमें कागज वाली पैकिंग चुननी चाहिए।

3. **R_3 पुनः उपयोग (Reuse) :** कुछ कचरा ऐसा होता है जिसका पुनः उपयोग किया जा सकता है। ऐसी कुछ चीजों की सूची बनाए जो आपने हाल ही में कूड़ेदान में फेंकी हों या कबाड़ी को बेची हों। आपस में चर्चा कीजिए कि उन चीजों को कैसे दोबारा इस्तेमाल में लाया जा सकता था। इस प्रकार चीजों को फेंकने के बजाए उन्हें दोबारा इस्तेमाल करने से कचरे के निपटान में मदद हो सकती है। तालिका–18.6 में पुनः उपयोग लायक चीज़ों की सूची बनाइए।

तालिका–18.6

क्रम सं.	कचरे के पुनः उपयोग लायक अवयव
1.	
2.	
3.	

पुनः उपयोग की संभावना बढ़ाने के लिए हम क्या कर सकते हैं :–

1. ऐसी चीजें खरीदें जिनका दोबारा इस्तेमाल किया जा सकता है। जैसे– पेन जिसमें रिफिल या स्याही डाली जा सके।

2. हम एक ही थैली का बार–बार इस्तेमाल करें।

3. हम ऐसे कागज को, जिसके एक तरफ लिखा या छपा हो, पलटकर दूसरी तरफ ''रफ कार्य'' के लिए इस्तेमाल करें।

4. घर में सामान रखने के लिए खाली शीशियों और डिब्बों का इस्तेमाल करें।

4. R_4 पुनःचक्रण (Recycle) : आपने कबाड़ी वाले को घरों से पुराने अखबार, शीशियाँ, प्लास्टिक और धातु से बनी टूटी–फूटी और बेकार चीजें खरीदते देखा होगा। इन चीजों को वे ले जाकर बेचते हैं और कारखानों में उन चीजों को कुछ प्रक्रियाओं द्वारा नए रूप में परिवर्तित कर दिया जाता है। इसे **पुनःचक्रण** कहते हैं।

पुनःचक्रण के लिए हम क्या कर सकते हैं –

1. हम ऐसी चीजें खरीदें व इस्तेमाल करें जिनका का पुनःचक्रण हो सके।
2. हम ऐसी चीजें इस्तेमाल करें जो पुनःचक्रण से बनी हो। जैसे– पुनःचक्रण द्वारा बनाया गया कागज।

कम्पोस्ट खाद :

कम्पोस्ट खाद रसोई और बगीचे से निकलने वाले कचरे का पुनःचक्रण करने का सबसे अच्छा तरीका है। कम्पोस्ट बनाने का अर्थ है– पौधों और जन्तुओं के मृत शरीर और जैव विघटनीय पदार्थों का सूक्ष्मजीवों द्वारा मिट्टी जैसे पदार्थ में बदलना। यह पदार्थ मिट्टी को उपजाऊ बनाता है और खाद के रूप में पेड़–पौधों की वृद्धि में सहायक होता है। इससे हमें दो फायदे हैं– एक तो खाद मिल जाती है और दूसरे कचरे का भी निपटान हो जाता है। आपने बरसात में जमीन पर चलते हुए केंचुए को देखा होगा। इन केंचुओं की सहायता से खाद प्राप्त किया जाता है। इसकी सहायता से बने खाद को **वर्मी कम्पोस्ट** कहते हैं।

अतः पौधों को कम्पोस्ट खाद देकर उनके मित्र बन सकते हैं। साथ ही कम्पोस्ट खाद बनाकर हम स्वयं अपने भी बहुत अच्छे मित्र बन जायेंगे। साथ ही हमारे बहुत से धन की बचत भी होगी जो हम महँगे खाद खरीदने के लिए खर्च होती है।

अतः कम्पोस्ट खाद बनाना "आम के आम, गुठली के दाम" जैसा है।

क्रियाकलाप–4

तालिका 18.7 (क) तथा 18.7 (ख) के अनुसार अपने घर के कूड़ेदान में पड़े कूड़े में से उन चीजों की सूची बनाइए जिन्हें कम्पोस्ट खाद में बदला जा सकता है और जिन्हें कम्पोस्ट खाद में नहीं बदला जा सकता है।

तालिका 18.7 (क)

क्रम सं.	कम्पोस्ट खाद में बदले जा सकने वाले चीजें

तालिका 18.7 (ख)

क्रम सं.	कचरे के वैसे भाग जिन्हें कम्पोस्ट खाद में नहीं बदला जा सकता है।

नए शब्द :

कचरा – Waste जैव विघटनीय पदार्थ – Bio-degradable materials

जैव अविघटनीय पदार्थ – Non biodegradable materials

हमने सीखा :

- अपशिष्ट पदार्थों को जहाँ–तहाँ फेंकने से वायु, जल एवं भूमि प्रदूषित होती है, व स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ता है।
- प्लास्टिक हमारे जीवन में घुल–मिल गया है। इसके लाभ कम एवं ज्यादा हानियाँ सामने आ रही हैं। अतः प्लास्टिक के ज्यादा उपयोग से बचना चाहिए।
- कचरा प्रबंधन के लिए 4R (Refuse मना कीजिए, Reduce उपयोग कम, Reuse पुनः उपयोग एवं Recycle पुनःचक्रण) को अपनाना चाहिए।
- मिट्टी को उपजाऊ बनाने एवं पेड़–पौधों की वृद्धि के लिए कम्पोस्ट खाद बनाने पर बल देना चाहिए।
- वर्मी कम्पोस्ट, केंचुए की सहायता से प्राप्त करना कचरे के निपटान की अतिलाभकारी प्रक्रिया है।

अभ्यास

1. अपने स्कूल से निकलनेवाले कूड़े–कचरे में मौजूद अपशिष्ट पदार्थों की सूची बनाइए। इनकी मात्रा कम करने के लिए और इनका दोबारा प्रयोग करने के लिए क्या उपाय करेंगे?बताएँ।

2. रोजमर्रा के जीवन में प्लास्टिक इस्तेमाल करने के लाभ और हानियाँ लिखिए।

3. कचरे के प्रबंधन के लिए हम क्या–क्या कर सकते हैं?

4. पुनःचक्रण का अर्थ स्पष्ट कीजिए।

5. पॉलिथीन का बहुत ज्यादा उपयोग करने से हमें किस प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है?

6. आप पॉलिथीन के अत्यधिक उपयोग को कम करने में कैसे मदद कर सकते हैं?

7. **निम्न कथनों में सत्य के सामने (3) तथा असत्य कथन के सामने (x) का चिह्न लगाएँ। गलत वाक्य को सही करके लिखें।**

   (1) कचरे के कारण वायु, जल एवं भूमि दूषित हो जाते हैं।

   (2) पदार्थ जिसका विघटन आसानी से हो जाता है जैव विघटनीय पदार्थ कहलाता है।

   (3) पदार्थ जिसका विघटन आसानी से नहीं हो सकता, जैव अविघटनीय पदार्थ कहलाता है।

   (4) पुराने अखबार, शीशियों, प्लास्टिक और धातु से बनी चीजों को कुछ प्रक्रियाओं द्वारा नए उपयोगी रूप में परिवर्तित करना "पुनःचक्रण" कहलाता है।

कबाड़ से जुगाड़ कीजिए :

8. घर में ऐसी बहुत सी वस्तुएँ होती हैं जो कबाड़ी वाले या रद्दी वाले को दे दी जाती हैं। क्या उन वस्तुओं से कुछ उपयोगी चीजें बन सकती हैं?अपने घर से फेंके जाने वाले सामान के बारे में सोचें व उस हिस्से को अलग करें जिससे आप कुछ बना सकते हैं। इससे उपयोगी वस्तुएँ बनाएँ व उनके नाम लिखें। इन सबका चित्र भी बनाइए।

जुगाड़ के कुछ उदाहरण :

पुराने कपड़ों से बिछावन, पॉलिथीन की थैलियों से टोकरी, पेंसिल की छीलन से कार्डों पर फूल, पुराने कागज और विवाह के निमंत्रण पत्रों से लिफाफे, पुष्टे व कागज आदि से खिलौने।

9. अपने घर अथवा स्कूल के आस–पास कचरा फेंकने वाले स्थानों का निरीक्षण कर निम्न तालिका को भरिए–

क्रम सं.	फेंका गया कचरा	पुनः उपयोग संभव है या नहीं	संभव है तो कैसे
1	सब्जी के छिलके	संभव है	पशुओं का भोजन
2			
3			
4			
5			

♦♦♦

BSTBPC WEBCOPY, NOT TO BE PUBLISHED